



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 198] मई विल्लो, शनिवार, नवम्बर 21, 1970/कार्तिक 30, 1892

No. 198] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1970/KARTIKA 30, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह धूलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 21st November, 1970

G.S.R. 1929.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely:—

1. **Short title, extent, and commencement.**—(1) This Order may be called the Indian Maize (Temporary Use in Manufacture of Starch) Order, 1970.

(2) It extends to the whole of the State of Gujarat.

(3) It shall come into force at once, and shall continue to be in operation upto and inclusive of the 30th day of April, 1971.

2. **Relaxation of prohibition against use.**—Notwithstanding anything contained in the Foodgrains (Prohibition of Use in Manufacture of Starch) Order, 1966, it shall be lawful, during the continuance in force of this Order, for the owner of a starch factory in the State of Gujarat to purchase or cause to be purchased or use or cause to be used Indian maize out of stocks available with the Food Corporation of India for the manufacture of starch.

3. **Total quantity to be used.**—The total quantity of Indian maize that may be used by the owner of a starch factory in the manufacture of starch under clause 2 shall not exceed two thousand tonnes.

**Explanation.**—For the purposes of this Order, "Indian maize" means maize other than hybrid maize, grown in India.

[No. 205(Genl) (3)/30/70-PY.II.]

R. BALASUBRAMANIAN, Jt. Secy.

(917)

द्वा प्र, कृष्ण, समुदायिक विकास और सहकारिता मंत्रालय

(जाति विभाग)

भारतेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1970

सं० का० नि० 1929.—ग्रावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के धारा 3 द्वारा प्रदत्त गतिविधि के रूपों में केंद्रीय सरकार इतद्वारा निम्नलिखित आवेदन बनाती है, अर्थात् :—

(1) 1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरम्भ.—(1) यह आवेदन भारतीय मक्का (स्टार्च) विनिर्माण में अस्थायी उपयोग आवेदन, 1970 कहा जा सकेगा।

(2) इसका विस्तार समूर्ण गुजरात राज्य पर है।

(3) यह तुरन्त प्रशुत होगा, और अप्रैल 1971 के 30वें दिन तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है प्रवर्तित रहेगा।

2. उपयोग के प्रतिवेश में शिरोकरण—जाति (स्टार्च) के विनिर्माण में उपयोग पर प्रतिवेश) आरेग, 1936 में किसी बात के हीते हुए भी इन ग्रादेश के प्रबूत रहने के दौरान, गुजरात राज्य में स्वार्च कारखाने के किसी भी स्वामी के लिए स्टार्च के विनिर्माण के लिए भारतीय ज्ञान के पास उपलब्ध भण्डार में से भारतीय मक्का क्रय करना या क्रय कराना प्रवद्वा उपयोग करना या उपयोग करना विधि पूर्ण होगा।

3. प्रयुक्त किए जाने वाला कुन परिमाणः—भारतीय मक्का का यह कुल पारभाण, जो किसी स्टार्च कारखाने के स्वामी द्वारा खण्ड 2 के अन्तर्गत स्टार्च के विनिर्माण में प्रयुक्त किया जा सकता है, दो हजार टन से अधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण :—इस आवेदन के प्रयोजनों के लिए भारतीय मक्का से भारत में उत्पन्न संकर मक्का से भिन्न मक्का प्रभित्र है।

[सं० 205(सा०) (3)/30/70 पी० गाई-II.]

रा० बालसुव्रमण्यम्, संयुक्त मंचिव ।